विपणन की अवधारणा (Marketing concept)

Gaurav Jaiswal
Dept. of commerce
Durga college, Raipur

विपणन विचारधारा

साधारणतया विपणन का अर्थ वस्तुओं के क्रय एवं विक्रय से लगाया जाता है लेकिन विपणन विशेषज्ञ इसका अर्थ वस्तुओं के क्रय एवं विक्रय तक सीमित नहीं करते हैं बल्कि क्रय एवं विक्रय से पूर्व एवं पश्चात की क्रियाओं को भी इसका अंग मानते हैं।

विपणन की प्रमुख अवधारणा

- उत्पादन अवधारणा
- उत्पाद अवधारणा
- विक्रय अवधारणा
- आधुनिक विपणन अवधारणा
- समग्र विपणन अवधारणा

उत्पादन अवधारणा

इस अवधारणा के अनुसार उपभोक्ता उन्हीं वस्तुओं को पसंद करता है जो अधिक मात्रा में व सस्ते दर में उपलब्ध है इसलिए मैनेजर उच्च उत्पादन दक्षता और कम लागत तथा वृहद् वितरण पर ध्यान केन्द्रित करता है।

उत्पाद अवधारणा

इस अवधारणा के अनुसार उपभोक्ता ऐसे वस्तुओं को पसंद करते है जिसमें अच्छी गुणवत्ता निष्पादन या नवीन गुण विद्यमान हों इसलिए मैनेजर उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाने और हर समय इनमें वृद्धि करने में ध्यान केन्द्रित करते है।

विक्रय अवधारणा

इस अवधारणा के अंतर्गत वस्तुओं के प्रचार प्रसार तथा विज्ञापन पर अत्यधिक जोर दिया जाता है।

इस अवधारणा का उद्देश्य अधिक लाभ कमाने के लिए अधिक लोगो को अधिक वस्तु बेचना हेाता है।

आधुनिक विपणन अवधारणा

इस अवधारणा में संगठन अपना लक्ष्य अपने प्रतिस्पर्धी से प्रभावी तरीके से प्राप्त करता है। यह अवधारणा उत्पादन के बजाय विपणन के नियमों तथा तकनीकों को लागू करने पर बल देती है।

इस अवधारणा के अनुसार व्यावसायिक गतिविधियां उपभोक्ता की आवश्यकता तथा संतुष्टि पर आधारित है।

समग्र विपणन अवधारणा

इस दृष्टिकोण के अनुसार व्यवसाय को संपूर्ण माना जाता है जिसमें सभी विभाग शामिल होते हैं।

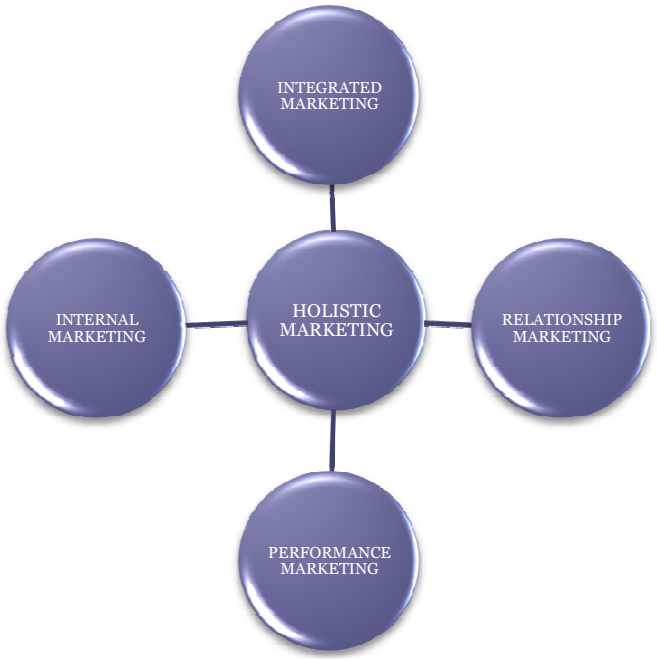

THANK YOU